दंड

Adelheid Marie Bwire

Melany Pietersen

Nandani

2

हिन्दी hi

एक दिन, माँ को बहुत सारे फल मिले।

हमने पूछा “क्या हम कुछ फल ले सकते हैं?” माँ ने कहा “हम फल आज रात में खायेंगे”।

मेरा भाई रहीम लालची है। उसने सारे फल चखे। उसमें से बहुत सारे खा लिए।

“देखो रहीम ने क्या किया!” मेरा छोटा भाई चिल्लाया। “रहीम बदमाश और मतलबी है” मैंने कहा।

माँ रहीम पर नाराज़ हुईं।

हम भी रहीम से नाराज़ हैं। पर रहीम को कोई अफ़सोस नहीं है।

“आप रहीम को दंड नहीं देंगी?” छोटे भाई ने पूछा।

“रहीम, तुमको जल्द ही अफ़सोस होगा”, माँ ने चेतावनी दी।

रहीम बीमार महसूस करने लगा।

“मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है”, रहीम ने धीरे से कहा।

माँ जानती थी कि ये होगा। फल रहीम को दंड देंगे।

बाद में, रहीम ने हम से माफ़ी माँगी। “मैं कभी भी इतना लालच नहीं करूँगा,” उसने वचन दिया। और हम सबने उस पर भरोसा कर लिया।

Global Storybooks

globalstorybooks.net

दंड

Adelheid Marie Bwire
Melany Pietersen
Nandani

CC BY